Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

05 & 06 OCTOBER 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. प्रधानमंत्री मोदी ने RSS के 100वें वर्ष समारोह में भाग लिया और भारत माता की तस्वीर वाले 100 रुपये के सिक्के और डाक टिकट का अनावरण किया।

1 अक्टूबर, 2025 को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर 100 रुपये के एक विशेष स्मारक सिक्के और डाक टिकट का अनावरण किया गया, जो RSS की 100 साल की यात्रा के सम्मान में जारी किया गया और पहली बार भारतीय मुद्रा पर भारत माता की छवि का प्रतीक है।

• इस भव्य कार्यक्रम में RSS के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया गया, जो भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विकास में इसके योगदान का एक मील का पत्थर है। मुख्य अतिथि के रूप में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों में निहित एकता, देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देने में आरएसएस की सदियों पुरानी सेवा की सराहना की।

• इस कार्यक्रम के दौरान आधिकारिक तौर पर 100 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी किया गया। 99.9% चाँदी से बने इस सिक्के का वज़न 40 ग्राम है और इसका व्यास 44 मिलीमीटर है, जिसमें 200 दाँते हैं। इसके अग्रभाग पर अशोक का सिंह शीर्ष अंकित है, जबकि पृष्ठभाग पर वरद मुद्रा (आशीर्वाद मुद्रा) में भारत माता कमल पर विराजमान हैं और उनके बगल में एक सिंह है—यह किसी भारतीय सिक्के पर भारत माता का पहला चित्रण है।

• सिक्के के साथ, 1963 के गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले आरएसएस स्वयंसेवकों को दर्शाते हुए एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया गया। यह डाक टिकट स्वतंत्रता के बाद भारत की यात्रा के दौरान राष्ट्रीय सेवा, अनुशासन और देशभक्ति की भावना के प्रति RSS की ऐतिहासिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

Key Points:-

(i) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 27 सितंबर, 1925 को नागपुर, महाराष्ट्र में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार (डॉ. के.बी. हेडगेवार) द्वारा की गई थी। एक स्वयंसेवी संगठन के रूप में स्थापित, इसका उद्देश्य हिंदू समुदाय में हिंदुत्व (हिंदू सांस्कृतिक राष्ट्रवाद), सामाजिक एकता और अनुशासन को बढ़ावा देना था, साथ ही एक आत्मनिर्भर और सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली भारत के विचार को पोषित करना था।

(ii) दशकों से, आरएसएस ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्रता के बाद के पुनर्निर्माण के दौरान सामाजिक सुधार और राहत गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने धीरे-धीरे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अपने कार्यों का विस्तार किया और "सर्वज्ञ उन्नति" - अर्थात राष्ट्र के सर्वांगीण विकास - के अपने मार्गदर्शक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया।

2. UPSC 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है; अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने नई दिल्ली में 'माई UPSC इंटरव्यू' पोर्टल लॉन्च किया और नए लोगो का अनावरण किया।

1 अक्टूबर, 2025 को, संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने अपना शताब्दी वर्ष शुरू किया, जो भारत की सिविल सेवाओं के 100 वर्षों के इतिहास को दर्शाता है। नई दिल्ली में आयोजित 99वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान, UPSC के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने 'मेरा UPSC साक्षात्कार: स्वप्न से वास्तविकता तक' शीर्षक से एक नया किस्सा पोर्टल लॉन्च किया और नए UPSC लोगो और शताब्दी लोगो, दोनों का अनावरण किया।

• वर्ष 2025 एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है क्योंकि संघ लोक सेवा आयोग 1926 में अपनी स्थापना के बाद से अपने 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। दशकों से, UPSC ने राष्ट्रीय शासन और सार्वजनिक सेवा के लिए समर्पित अधिकारियों का चयन और पोषण करके भारत के प्रशासनिक ढांचे के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

• शताब्दी समारोह के एक हिस्से के रूप में, डॉ. अजय कुमार ने एक नई डिजिटल पहल - 'माई UPSC इंटरव्यू' शुरू की है, जिसका उद्देश्य UPSC इंटरव्यू बोर्ड के समक्ष उपस्थित हुए सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों प्रकार के सिविल सेवकों के वास्तविक जीवन के अनुभवों को एकत्रित करना है। यह पोर्टल भावी उम्मीदवारों के लिए प्रेरणा और सिविल सेवाओं में उनके व्यक्तिगत सफ़र का एक रिकॉर्ड प्रदान करता है।

• नए लॉन्च किए गए पोर्टल के माध्यम से, UPSC उन वर्तमान और पूर्व सिविल सेवकों से योगदान आमंत्रित करता है जो अपने दृढ़ संकल्प और उपलब्धियों की कहानियाँ साझा करना चाहते हैं। इच्छुक व्यक्ति 31 दिसंबर, 2025 तक अपनी प्रविष्टियाँ ऑनलाइन जमा कर सकते हैं, जिससे यह भारत के नौकरशाही विकास को दर्शाने वाली एक राष्ट्रव्यापी कहानी कहने की पहल बन जाएगी।

Key Points:-

(i) नए डिज़ाइन किए गए UPSC लोगो के केंद्र में राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न है, जो राष्ट्र के प्रति अधिकार और सेवा का प्रतीक है। इसके चारों ओर बरगद के पत्तों की एक माला है, जो ज्ञान, सहनशीलता और लचीलेपन का प्रतीक है।

(ii) आधार पर हिंदी में 'संघ लोक सेवा' अंकित एक रिबन आयोग के कर्तव्य, जवाबदेही और जनता के प्रति समर्पण के सिद्धांतों को रेखांकित करता है।

(iii) नए अनावरण किए गए शताब्दी प्रतीक चिन्ह में एक बहती हुई लहर की आकृति है, जो UPSC की प्रगति, अनुकूलनशीलता और निरंतरता की एक शताब्दी लंबी यात्रा का प्रतीक है। डिज़ाइन का समापन संख्या '100' से होता है, जिसमें UPSC का प्रतीक चिन्ह अंतिम शून्य के भीतर स्थित है - जो पिछली शताब्दी में लोक सेवा में उत्कृष्टता के प्रति इसकी स्थायी विरासत और प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है।

3. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रबी फसलों 2026-27 के लिए उच्च MSP को मंजूरी दी और ₹11,440 करोड़ के परिव्यय के साथ 'दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन' का शुभारंभ किया।

सितंबर 2025 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दो प्रमुख कृषि पहलों को मंज़ूरी दी—2026-27 के विपणन सत्र के लिए छह प्रमुख रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में वृद्धि, और दलहन उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए 'दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन' की शुरुआत। इन फैसलों का उद्देश्य किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना और सतत कृषि विकास को बढ़ावा देना है।

- **आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने आगामी 2026-27 विपणन सत्र के लिए छह प्रमुख रबी फसलों - गेहूं, जौ, चना, मसूर, रेपसीड और सरसों, और कुसुम - के लिए संशोधित MSPs को मंजूरी दी।**

- **अनुमोदन के अनुसार, प्रति क्विंटल नई MSP दरें इस प्रकार हैं: गेहूँ - ₹2,585; जौ - ₹2,150; चना - ₹5,875; मसूर - ₹7,000; रेपसीड और सरसों - ₹6,200; और कुसुम - ₹6,540। ये संशोधित दरें उत्पादन लागत को कवर करने के साथ-साथ किसानों की लाभप्रदता के लिए अतिरिक्त मार्जिन सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।**

- **सभी फसलों में, कुसुम के MSP में सबसे ज़्यादा ₹600 प्रति क्विंटल की वृद्धि हुई है, जो तिलहन की खेती में विविधता लाने की दिशा में सरकार के प्रयासों को दर्शाता है। यह कदम आयातित खाद्य तेलों पर निर्भरता कम करने और घरेलू तिलहन उत्पादन को मज़बूत करने के भारत के प्रयासों का समर्थन करता है।**

Key Points:-

(i) मंत्रिमंडल ने ₹11,440 करोड़ के कुल वित्तीय परिव्यय वाली एक नई छह-वर्षीय योजना—'दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन'—को भी मंज़ूरी दी। इस मिशन का उद्देश्य प्रमुख दलहन उत्पादक राज्यों में क्षेत्र विस्तार, उपज में सुधार और बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करके दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना है।

(ii) इस नव स्वीकृत मिशन को शुरू में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्रालय (MoF) द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट की प्रस्तुति के दौरान प्रस्तावित किया गया था।

(iii) भारत सरकार ने घरेलू दलहन उत्पादन को 2024-25 के 24.2 मिलियन टन (MT) से बढ़ाकर 2030-31 तक 35 मिलियन टन करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस मिशन के कार्यान्वयन से किसानों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी, आयात पर निर्भरता कम होगी और संसाधनों के कुशल उपयोग तथा उत्पादकता वृद्धि के माध्यम से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में वृद्धि होगी।

4. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'नाइलिट डिजिटल यूनिवर्सिटी' का शुभारंभ किया और पूरे भारत में 5 नए नाइलिट केंद्रों का उद्घाटन किया।

2 अक्टूबर 2025 को, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) तथा रेल मंत्रालय (MoR) के केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली, दिल्ली में 'NIELIT डिजिटल यूनिवर्सिटी (NDU)' का शुभारंभ किया। यह पहल देशभर में उन्नत डिजिटल तकनीकी शिक्षा तक गुणवत्तापूर्ण पहुँच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

- **राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT) द्वारा संचालित यह डिजिटल यूनिवर्सिटी एक व्यापक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म है, जो उन्नत तकनीकी शिक्षा के लिए डिज़ाइन की गई है और डिजिटल समावेशन तथा कौशल विकास को प्रोत्साहित करती है।**

- **कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वर्चुअल माध्यम से पाँच नए NIELIT केंद्रों का उद्घाटन किया — मुजफ्फरपुर (बिहार), बालासोर (ओडिशा), तिरुपति (आंध्र प्रदेश), दमण (दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव) और लुंगलेई (मिज़ोरम) में।**

- **NIELIT ने कई प्रमुख संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (MoUs) पर हस्ताक्षर किए — माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) के साथ डिजिटल शिक्षा तकनीक के लिए, ज़ेडस्केलर (Zscaler) के साथ साइबर सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए, डिक्सन टेक्नोलॉजीज (Dixon Technologies) के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण प्रशिक्षण के लिए, CCRYN के साथ योग और प्रौद्योगिकी के एकीकरण के लिए तथा फ्यूचर क्राइम (Future Crime) के साथ साइबर अपराध प्रशिक्षण के लिए।**

Key Points:-

(i) NDU का उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण जैसे क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता और उद्योग-उन्मुख शिक्षा को सभी तक पहुँचाना है। यह पहल 'डिजिटल इंडिया' और 'स्किल इंडिया' अभियानों के अनुरूप है।

(ii) लॉन्च के बाद "शिक्षा के डिजिटलीकरण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें शिक्षा प्रणाली में एआई की भूमिका, डिजिटल पहुँच और भविष्य के कौशल विकास पर विचार-विमर्श किया गया।

5. TASL और एयरबस द्वारा कर्नाटक के वेमगल में भारत की पहली निजी फाइनल असेंबली लाइन (FAL) स्थापित की जाएगी।

1 अक्टूबर 2025 को टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) और एयरबस ने कर्नाटक के वेमगल में भारत की पहली निजी क्षेत्र की फाइनल असेंबली लाइन (Final Assembly Line - FAL) स्थापित करने की घोषणा की, जहां एयरबस H125 हेलीकॉप्टर का निर्माण किया जाएगा। यह पहल भारत की स्वदेशी

एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

• नई असेंबली लाइन वेमगल इंडस्ट्रियल एरिया में स्थापित की जाएगी, जिसमें मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (Maintenance, Repair and Overhaul - MRO) सुविधाएं और अंतिम परीक्षण के लिए हेलिपैड शामिल होंगे। यह एयरबस और TASL की दूसरी संयुक्त असेंबली परियोजना होगी, पहली C295 विमान इकाई वडोदरा (गुजरात) में स्थापित की गई थी।

• वेमगल सुविधा में उत्पादन वर्ष 2026 में शुरू होने की उम्मीद है, जबकि भारत में असेंबल किया गया पहला एयरबस H125 हेलीकॉप्टर वर्ष 2027 में डिलीवरी के लिए तैयार होगा। यह भारत की बढ़ती एयरोस्पेस आत्मनिर्भरता का प्रतीक होगा।

Key Points:-

(i) यह संयंत्र घरेलू और दक्षिण एशिया के अंतरराष्ट्रीय बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगा। यहां निर्मित H125 एक सिंगल-इंजन हेलीकॉप्टर होगा, जो नागरिक उड्डयन, आपदा प्रबंधन, पुलिस संचालन और ऊँचाई वाले क्षेत्रों में मिशनों के लिए उपयुक्त है।

(ii) यह परियोजना भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' (Make in India) पहल के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देना, रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करना और एयरोस्पेस क्षेत्र में विदेशी आयात पर निर्भरता को कम करना है।

BANKING & FINANCE

1. RBI ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर को 5.5% पर बरकरार रखा और 'तटस्थ' रुख बरकरार रखा।

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अपनी 57वीं और चौथी द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक 29 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2025 तक RBI के गवर्नर श्री संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में आयोजित की। MPC ने सर्वसम्मति से नीतिगत रेपो दर को 5.5% पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया, और घटती मुद्रास्फीति और चल रहे राजकोषीय संचरण प्रभावों के बीच 'तटस्थ' रुख बनाए रखा।

• चौथी द्विमासिक MPC बैठक की अध्यक्षता श्री संजय मल्होत्रा ने की और इसमें MPC सदस्य डॉ. नागेश कुमार, श्री सौगत भट्टाचार्य, प्रो. राम सिंह, डॉ. पूनम गुप्ता और श्री इंद्रनील भट्टाचार्य ने भाग लिया।

• सभी MPC सदस्यों ने तरलता समायोजन सुविधा (LAF) के तहत रेपो दर को 5.5% पर बनाए रखने के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया। RBI ने कहा कि यह निर्णय मुद्रास्फीति नियंत्रण और आर्थिक विकास को समर्थन देने की आवश्यकता के बीच संतुलन बनाए रखने और मौद्रिक स्थितियों को स्थिर रखने के लिए लिया गया है।

Key Points:-

(i) स्थायी जमा सुविधा (SDF) दर 5.25% पर बनी रही, जबकि सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) दर और बैंक दर 5.75% पर स्थिर रहीं। इसी प्रकार, रिवर्स

रेपो दर 3.35%, नकद आरक्षित अनुपात (CRR) 3.00% और सांविधिक तरलता अनुपात (SLR) 18.00% पर रही, जिससे समग्र मौद्रिक स्थिरता सुनिश्चित हुई।

(ii) मौद्रिक नीति समिति ने भविष्य में मुद्रास्फीति के दबावों और आर्थिक विकास पर प्रतिक्रिया देने में लचीलेपन पर जोर देते हुए 'तटस्थ' रुख जारी रखने का निर्णय लिया।

(iii) MPC के अनुसार, मुद्रास्फीति में कमी आई है, लेकिन पहले की मौद्रिक नीतिगत कार्रवाइयाँ और राजकोषीय उपाय अभी भी अर्थव्यवस्था में छाए हुए हैं। इसलिए, किसी भी नीतिगत समायोजन से पहले पिछले निर्णयों के पूर्ण प्रभाव का अवलोकन करने के लिए वर्तमान दरों को बनाए रखना ही विवेकपूर्ण माना गया, जिससे मूल्य स्थिरता के साथ सतत विकास सुनिश्चित हो सके।

2. ADB ने शहरी गतिशीलता और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के लिए 190 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण को मंजूरी दी।

अक्टूबर 2025 में, एशियाई विकास बैंक (ADB) ने मध्य प्रदेश (MP) में इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के लिए 190 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण को मंज़ूरी दी। इस पहल का उद्देश्य शहरी गतिशीलता को बढ़ाना, प्रदूषण कम करना और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। जनवरी 2030 तक इसके चालू होने की उम्मीद है।

- **मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) द्वारा कार्यान्वित इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के तहत 8.62 किलोमीटर लंबी भूमिगत मेट्रो लाइन का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 7 स्टेशन होंगे। यह लाइन शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों को देवी अहिल्या बाई होल्कर हवाई अड्डे से जोड़ेगी, जिससे यातायात संबंधी चुनौतियों का समाधान होगा और यात्रियों की सुविधा में सुधार होगा।**

- **मेट्रो प्रणाली में उन्नत सुविधाएं शामिल होंगी, जिनमें रैंप, लिफ्ट, क्लोज्ड-सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) निगरानी और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली शामिल होंगी।**

- **इस परियोजना का उद्देश्य प्रति वर्ष लगभग 12,414 टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) के समतुल्य ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन को कम करना है, जिससे जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद मिलेगी और इंदौर में स्वच्छ शहरी वातावरण को बढ़ावा मिलेगा।**

Key Points:-

(i) मेट्रो लाइन को मौजूदा बस सेवाओं और फीडर रूटों से जोड़ा जाएगा, जिससे निर्बाध मल्टीमॉडल परिवहन सुनिश्चित होगा। इस एकीकरण से शैक्षणिक संस्थानों, बाज़ारों और प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों तक पहुँच बढ़ेगी और समग्र शहरी संपर्क में सुधार होगा।

(ii) ADB इंदौर की टीओडी योजना और नीति ढांचे को मजबूत करने के लिए शहर के मौजूदा टीओडी तकनीकी सहायता कार्यक्रमों के साथ काम करेगा।

MOUs and Agreement

1. भारत में बायोटेक स्टार्टअप नवाचार को बढ़ावा देने के लिए DPIIT ने थर्मो फिशर साइंटिफिक के साथ समझौता किया।

1 अक्टूबर 2025 को, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (MoC&I) ने जीवन विज्ञान उपकरणों और सेवाओं में वैश्विक अग्रणी कंपनी थर्मो फिशर साइंटिफिक (TFS) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत के बायोटेक्नोलॉजी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और नवाचार को तेज़ी से आगे बढ़ाना है।

- **इस समझौते के तहत, DPIIT और थर्मो फिशर साइंटिफिक अगले तीन वर्षों में 500 से अधिक बायोटेक स्टार्टअप्स को रणनीतिक मार्गदर्शन, तकनीकी सहायता, मेंटरशिप और निवेशक संपर्क के माध्यम से समर्थन देंगे, जिससे नवाचार आधारित विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।**
- **इस सहयोग के तहत, TFS और DPIIT की भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज (BSGC) मिलकर 'बायोवर्स' (BioVerse) नामक एक एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म शुरू करेंगे, जो भारत के बायोटेक उद्यमियों की पहचान, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता के लिए समर्पित होगा।**

Key Points:-

(i) 'बायोवर्स चैलेंज' के माध्यम से शीर्ष 100 बायोटेक स्टार्टअप्स का चयन किया जाएगा, जिन्हें मेंटरशिप, अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास (R&D) सुविधाओं की पहुँच और निवेशकों से जुड़ने का अवसर प्रदान किया जाएगा ताकि वे अपने नवाचारों का व्यावसायीकरण कर सकें।

(ii) 'बायोवर्स मेंटर्स सर्कल' के अंतर्गत 400 अतिरिक्त स्टार्टअप्स को बायोटेक कौशल और उद्यमिता के क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जाएगा। वहीं 'बायोवर्स एलुमनाई नेटवर्क' के माध्यम से प्रतिभागी स्टार्टअप्स को दीर्घकालिक मार्गदर्शन, कोचिंग और वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

(iii) यह रणनीतिक सहयोग 'स्टार्टअप इंडिया' पहल के अनुरूप है और DPIIT के उस दृष्टिकोण को सशक्त बनाता है जिसके तहत भारत को वैश्विक बायोटेक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है। यह साझेदारी उद्यमिता, अनुसंधान उत्कृष्टता और जीवन विज्ञान क्षेत्र में तकनीकी प्रगति को प्रोत्साहित करेगी।

APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

1. संजय चालके को कैपजेमिनी इंडिया का नया CEO नियुक्त किया गया, जो अश्विन यार्डी का स्थान लेंगे।

अक्टूबर 2025 में, फ्रांसीसी बहुराष्ट्रीय कंपनी कैपजेमिनी SE, जो डिजिटल और कंसल्टिंग सेवाओं में कार्यरत है, ने संजय चालके को कैपजेमिनी इंडिया का नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) नियुक्त करने की घोषणा की। वे 1 जनवरी 2026 से पद संभालेंगे और अश्विन यार्दी का स्थान लेंगे, जो CEO के रूप में सेवानिवृत्त होकर कंपनी के नॉन-एक्जीक्यूटिव चेयरमैन बनेंगे।

Key Points:-

(i) संजय चालके के पास उद्योग में 25 वर्षों से अधिक का अनुभव है, और उन्होंने वैश्विक ग्राहकों के लिए डिलीवरी ट्रांसफॉर्मेशन पहलों का नेतृत्व किया है। उनका अनुभव कई सेक्टर्स और रणनीतिक परियोजनाओं के नेतृत्व में विस्तृत है।

(ii) कैपजेमिनी से पहले, चालके ने सिमेन्स, कोवन्सिस और DXC टेक्नोलॉजीज (पूर्व CSC) में वरिष्ठ नेतृत्व पदों पर कार्य किया, जिसमें SAP प्रैक्टिस, एप्लीकेशन और सॉल्यूशंस के ग्लोबल हेड के रूप में जिम्मेदारी शामिल थी।

(iii) चालके ने 2016 में कैपजेमिनी में वाइस प्रेसिडेंट, डिलीवरी ट्रांसफॉर्मेशन के रूप में शामिल होकर विभिन्न नेतृत्व पदों पर कार्य किया, जिनमें एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और सोगेटी इंडिया के प्रमुख पद शामिल हैं। 2024 में उन्हें चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (COO) नियुक्त किया गया, और अब उन्हें कैपजेमिनी इंडिया का CEO बनाया गया है।

SPORTS

1. भारत और श्रीलंका नवंबर 2025 में दृष्टिबाधित क्रिकेट के लिए महिला T20 विश्व कप के उद्घाटन की सह-मेजबानी करेंगे।

भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से 11 नवंबर से 23 नवंबर, 2025 तक महिला टी20 विश्व कप - दृष्टिबाधित क्रिकेट की मेजबानी करेंगे। यह घोषणा कोलंबो, श्रीलंका में खेल मंत्री सुनील कुमार गमागे, श्रीलंका के दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ के अधिकारियों और भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ (CABI) के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में की गई।

- **इस टूर्नामेंट का आयोजन CABI और श्रीलंका के दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।**
- **इस प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) की टीमें भाग लेंगी। इस प्रारूप में 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल मैच होंगे जिनसे चैंपियन का निर्धारण होगा।**

Key Points:-

(i) स्थान - भारत चरण: शुरुआती मैच नई दिल्ली में आयोजित किए जाएँगे, जिसके बाद बेंगलुरु, कर्नाटक में खेल होंगे, जिससे प्रमुख भारतीय शहरों में प्रतिस्पर्धी दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट के लिए एक मंच उपलब्ध होगा।

(ii) स्थान - श्रीलंका चरण: सेमीफाइनल, फाइनल और समापन समारोह सहित अंतिम मैच कोलंबो,

श्रीलंका में आयोजित किए जाएँगे, जो महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट को आगे बढ़ाने में दोनों देशों के बीच सहयोगात्मक भावना को दर्शाता है।

2. भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने नॉर्वे में 2025 विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने नॉर्वे के फोर्डे में आयोजित 2025 विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने क्लीन एंड जर्क और कुल भारोत्तोलन में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए, जो उनका तीसरा विश्व चैंपियनशिप पदक था।

- **मीराबाई चानू ने 48 किग्रा वर्ग में कुल 199 किग्रा भार उठाया, क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा और कुल भारोत्तोलन में 199 किग्रा के साथ नए भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किए। यह पदक उनकी पिछली विश्व चैंपियनशिप सफलताओं में जुड़ता है, जिससे यह इस स्तर पर उनका तीसरा पदक बन गया।**

- **उत्तर कोरिया की री सोंग-गम ने 48 किग्रा वर्ग में तीन स्वर्ण पदक जीतकर इस स्पर्धा में अपना दबदबा बनाया। री ने 91 किग्रा स्नैच, 122 किग्रा क्लीन एंड जर्क और कुल 213 किग्रा भारोत्तोलन के साथ नए विश्व रिकॉर्ड बनाए।**

- **थाईलैंड की थान्याथोन सुकचारोएन ने कुल 198 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक जीता, तथा इस कड़े मुकाबले में मीराबाई चानू से थोड़ा पीछे रहीं।**

App and Web Portal

1. केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने युवा जुड़ाव और नेतृत्व को सशक्त बनाने के लिए 'MY Bharat' मोबाइल ऐप लॉन्च किया।

अक्टूबर 2025 में, केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, जो युवा मामले और खेल मंत्रालय (MYAS) और श्रम और रोजगार मंत्रालय (MoL&E) के प्रमुख हैं, ने नई दिल्ली, दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 'एमवाई भारत' मोबाइल एप्लिकेशन (App) लॉन्च किया।

- **यह ऐप MY Bharat (मेरा युवा भारत) प्लेटफॉर्म का हिस्सा है, जो युवा मामलों के विभाग (DoYA), MYAS के तहत युवा नेतृत्व और सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक पहल है।**

- **MY Bharat मोबाइल ऐप को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के अंतर्गत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन (DIC) द्वारा डिज़ाइन और विकसित किया गया है। यह युवा भागीदारी तंत्रों को डिजिटल बनाने और भारत के युवा नागरिकों को राष्ट्र निर्माण के अवसरों से जोड़ने के सरकार के प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है।**

• यह ऐप उपयोगकर्ताओं को स्वयंसेवा, इंटर्नशिप, मेंटरशिप और सीखने के अवसरों तक सहज पहुँच प्रदान करता है, जिससे समग्र युवा विकास सुनिश्चित होता है। यह हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं को सपोर्ट करता है, और पूरे भारत में पहुँच बढ़ाने के लिए जल्द ही और क्षेत्रीय भाषाओं को भी इसमें शामिल किए जाने की उम्मीद है।

Key Points:-

(i) ग्रामीण समावेशन सुनिश्चित करने के लिए, सामान्य सेवा केंद्रों (CSCs) को माई भारत पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों के युवाओं को पंजीकरण करने, विकसित भारत युवा नेता संवाद (VBYLD) 2026 प्रश्नोत्तरी में भाग लेने और ऐप के माध्यम से कई जुड़ाव कार्यक्रमों का पता लगाने में मदद मिलेगी।

(ii) माई भारत ऐप युवाओं को विकसित भारत युवा नेता संवाद (VBYLD) 2026 क्विज़ में भाग लेने की अनुमति देता है, जिसे भारत की युवा पीढ़ी के बीच जागरूकता और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

(iii) 31 अक्टूबर, 2023 को MY Bharat प्लेटफ़ॉर्म के लॉन्च के बाद से, इस पहल में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है और देश भर में 1.81 करोड़ से ज़्यादा युवा और 1.20 लाख संगठन इससे जुड़े हैं। 2025 में मोबाइल ऐप के लॉन्च से पहुँच और अन्तरक्रियाशीलता का विस्तार करके इस डिजिटल आंदोलन को और मज़बूती मिलेगी।

IMPORTANT DAYS

1. संयुक्त राष्ट्र 2 अक्टूबर 2025 को 19वां अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया।

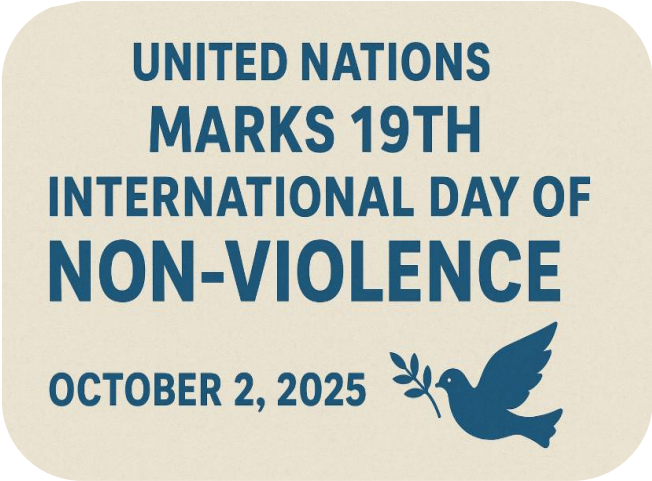

संयुक्त राष्ट्र (UN) प्रतिवर्ष 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी के जन्मदिन के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाता है। भारत में, इस दिन को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है, जो गांधी के शांति और अहिंसा के दर्शन का सम्मान करता है। 2025 में, यह दिवस महात्मा गांधी की 156वीं जयंती और 19वें अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया ।

• यह दिवस गांधीजी के महत्वपूर्ण संदेश, "हिंसा को ना कहें" को पुष्ट करता है, जो अहिंसा को सक्रियता की आधारशिला के रूप में रेखांकित करता है। 2025 के स्मरणोत्सव में अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित एक विशेष स्मरणोत्सव कार्यक्रम शामिल है।

• संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने ईरानी नोबेल पुरस्कार विजेता शिरीन एबादी के प्रस्ताव पर 15 जून, 2007 को प्रस्ताव A/RES/61/271 के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस को अपनाया। यह दिवस पहली बार 2 अक्टूबर, 2007 को विश्व स्तर पर मनाया गया था।

• 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर में जन्मे गांधीजी को "राष्ट्रपिता" माना जाता है। उन्होंने लंदन में शिक्षा प्राप्त की और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रमुख नेता बने, उन्होंने दांडी मार्च (1930) और भारत छोड़ो आंदोलन (1942) जैसे आंदोलनों के

दौरान अहिंसक प्रतिरोध की वकालत की। गांधीजी की हत्या 30 जनवरी, 1948 को नई दिल्ली में हुई थी।

Key Points:-

(i) भारत में, अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस राजघाट (नई दिल्ली) पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है। सार्वजनिक अभियान गांधीजी के आदर्शों को बढ़ावा देते हैं, और यह दिन स्वच्छता ही सेवा 2025 जैसी स्वच्छ भारत पहलों के साथ मेल खाता है, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक चलेगा।

(ii) गांधीजी के अहिंसा और सत्य के सिद्धांत उनकी विरासत के केंद्र में हैं। उनका नेतृत्व और दर्शन शांति के लिए वैश्विक आंदोलनों को प्रेरित करते रहते हैं, और उनके स्थायी प्रभाव के सम्मान में दुनिया भर में उनकी जयंती मनाई जाती है।

(iii) 2025 का संस्करण, जिसका विषय स्वच्छोत्सव है, राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियानों के लिए भारत भर में लाखों लोगों की नागरिक जिम्मेदारी और लामबंदी को जोड़ता है, तथा अहिंसा और सामाजिक सेवा के मूल्यों को सार्वजनिक सहभागिता अभियानों से जोड़ता है।

2. स्तन कैंसर जागरूकता माह 2025, 1 से 31 अक्टूबर तक विश्व स्तर पर मनाया गया।

स्तन कैंसर जागरूकता माह (BCAM) प्रतिवर्ष 1 से 31 अक्टूबर तक दुनिया भर में मनाया जाता है ताकि स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके, शीघ्र पहचान को प्रोत्साहित किया जा सके, रोगियों का समर्थन किया जा सके और रोकथाम व उपचार के लिए अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा सके। 2025 का विषय है "हर कहानी अनूठी है, हर यात्रा मायने रखती है।"

- **स्तन कैंसर जागरूकता माह की शुरुआत अक्टूबर 1985 में अमेरिकन कैंसर सोसाइटी और दवा कंपनी इंपीरियल केमिकल इंडस्ट्रीज के बीच एक सहयोगात्मक पहल के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य स्तन कैंसर के बारे में लोगों को शिक्षित करना और शीघ्र पहचान को बढ़ावा देना था।**
- **अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर "गुलाबी माह" के रूप में मनाया जाता है, जो दुनिया भर में स्तन कैंसर से प्रभावित महिलाओं और पुरुषों के समर्थन के लिए जागरूकता अभियानों, शिक्षा और वकालत पर ज़ोर देता है।**

Key Points:-

(i) गुलाबी रिबन स्तन कैंसर जागरूकता का सार्वभौमिक प्रतीक है, जो रोगियों और जीवित बचे लोगों के साथ आशा, साहस और एकजुटता का प्रतीक है। BCAM के दौरान अभियानों, व्यापारिक वस्तुओं और कार्यक्रमों में इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

(ii) गुलाबी रिबन 1990 के दशक की शुरुआत में संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) में स्तन कैंसर जागरूकता के प्रतीक के रूप में उभरा। 1992 में एस्टी लॉडर और सेल्फ मैगज़ीन के नेतृत्व में चलाए गए अभियानों के माध्यम से इसे व्यापक मान्यता मिली और यह वैश्विक स्तन कैंसर वकालत का पर्याय बन गया।

OBITUARY

1. प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

पद्म विभूषण से सम्मानित और प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र का 2 अक्टूबर, 2025 को 89 वर्ष की आयु में उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में निधन हो गया। 3 अगस्त, 1936 को हरिहरपुर, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश में जन्मे, उन्हें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत और लोक परंपराओं में उनके योगदान के लिए याद किया जाता था।

- **पंडित छन्नूलाल मिश्र ने आरंभ में अपने पिता बद्री प्रसाद मिश्र से प्रशिक्षण प्राप्त किया और बाद में किराना घराने के प्रसिद्ध संगीतकार शंभू भट्टाचार्य और उस्ताद गनी खाँ से मार्गदर्शन प्राप्त किया। उनके प्रशिक्षण ने उन्हें बनारस घराने की परंपरा में गहराई से स्थापित कर दिया।**

- **वे बनारस घराने के प्रतिनिधि थे, जो शास्त्रीय रागों और अर्ध-शास्त्रीय विधाओं में लोक तत्वों और भावनात्मक गहराई के समावेश के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पूरब अंग गायकी में विशेषज्ञता हासिल की, जो उत्तर प्रदेश और बिहार की एक शास्त्रीय शैली है।**

Key Points:-

(i) मिश्र ख़याल जैसी विशुद्ध शास्त्रीय विधाओं और ठुमरी, दादरा, कजरी, होरी और चैती जैसी अर्ध-शास्त्रीय विधाओं में पारंगत थे। अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों के लिए उन्हें प्यार से "बनारस की आवाज़" कहा जाता था।

(ii) उन्होंने अपनी पूरब अंग गायकी परंपरा की निरंतरता सुनिश्चित करते हुए अनेक शिष्यों का मार्गदर्शन किया। उनके प्रभाव ने बनारस घराने के शास्त्रीय गायकों की अगली पीढ़ी को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया।

(iii) भारतीय संगीत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नौशाद पुरस्कार (1995), बिहार संगीत शिरोमणि पुरस्कार (1999), यूपी संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (2000), संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (2010), पद्म भूषण (2010), और पद्म विभूषण (2020) सहित कई सम्मान प्राप्त हुए।

Static GK

Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS)	सरसंघचालक : मोहन भागवत	मुख्यालय : नागपुर, महाराष्ट्र
Union Public Service Commission (UPSC)	अध्यक्ष : डॉ. अजय कुमार	मुख्यालय: नई दिल्ली
Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY)	केंद्रीय मंत्री: अश्विनी वैष्णव	मुख्यालय: नई दिल्ली
Airbus	CEO : गिलौम फौरी	मुख्यालय: ब्लाग्नैक, फ्रांस
RBI	राज्यपाल: संजय मल्होत्रा	मुख्यालय: मुंबई
Asian Development Bank(ADB)	अध्यक्ष : मासातो कांडा (जापान)	मुख्यालय : मंडलुयोंग शहर, मनीला, फिलीपींस
Cricket Association for the Blind in India (CABI)	अध्यक्ष: महंतेश जी किवदसन्नावर	स्थापना: 2011